

भाग्यं भवति कर्मणा

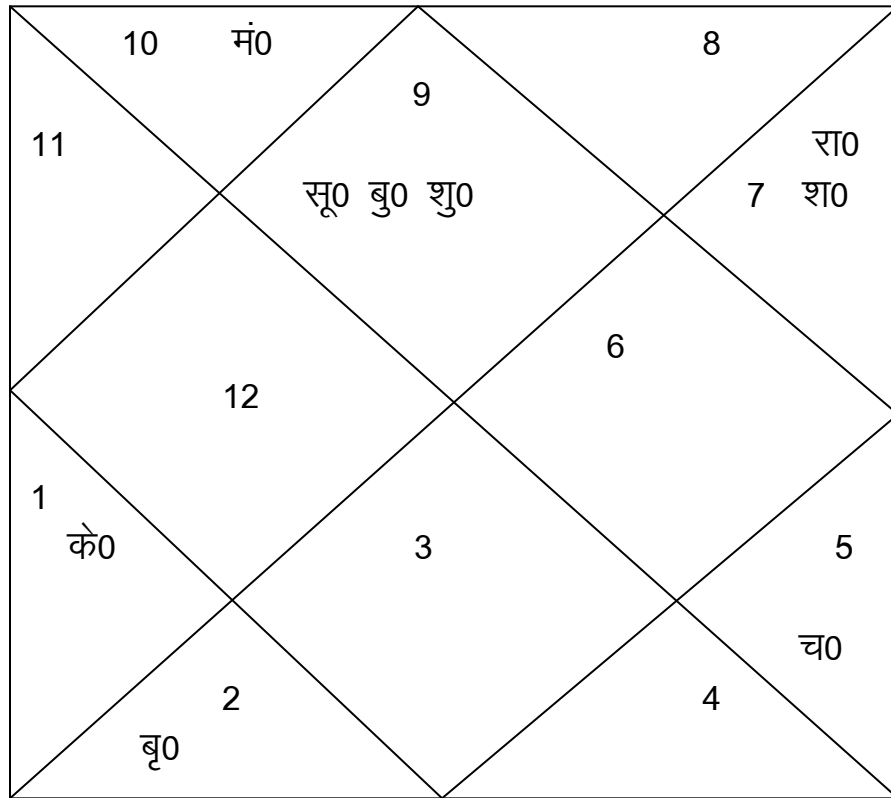
आपका मासिक राशिफल माह जनवरी, 2013



मेष:- चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आपका जन सम्पर्क बढ़ेगा। धनागम सम्बन्धी कार्ययोजनाओं को विस्तार रूप देने में सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष, शीतविकार, ज्वर आदि के शिकार हो सकते हैं। व्यापारिक साझेदारी से सजग रहकर मानसिक परेशानी से अपने आप को बचा सकते हैं ईश्वर अराधना के प्रति उदासीनता रहेगी। जीवन संगिनी के साथ तीखी-मीठी नोकझोंक का सामना करना पड़ेगा। ता० 3, 4, 5, 6, 7, 8 शुभ है। अरिष्ट निवारण के लिये लाल वर्ण की गाय की सेवा करना हितकर रहेगा।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 जनवरी



वृषः— ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो



मानसिक असंतोष चरम सीमा रेखापार करेगा। यात्रा प्रसंगो की अधिकता शारीरिक एवं मानसिक तनाव की रुपरेखा निर्धारित करेंगी। अनैतिक व्यक्तियों के साथ मेल-मिलाप व्यय भार की अधिकता का कारण बन सकती है शत्रुओं की सक्रियता पर अंकुश लगाये रखने में सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किये गये प्रयासों से अल्प लाभ रहेगा। माह की शुरुआत में कोर्ट कचेहरी सम्बन्धी काम काज प्रभावित रहेंगे। यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतना हितकर रहेगा। जीवकोपार्जन सम्बन्धी कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। तारीख 8, 9, 14, 15, 16 उत्तम सूचक हैं। अरिष्ट निवारण हेतु दुर्गा सप्तशती का पाठ करना हितकर सिद्ध होगा।

मिथुनः— का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा



जीवन साथी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग होगा। शुभप्रद कार्यों में खर्च अधिकतम सीमा रेखा पार कर सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किये गये प्रयासों से आंशिक लाभ की स्थिति आयेगी। पेट सम्बन्धित रोगों से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट की अनुभूति होगी। सहयोगियों मित्रों से विशेष सहयोग प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। माह का प्रथम सप्ताह कई कार्य योजनाओं के लिये बेहतर प्रतीत होगा। बातचीत में असवाधानी पारिवारिक तालमेल बिगाड़ सकता है दौड़ धूप और व्यस्तता के अधिकाधिक प्रसंग एकत्रित होंगे। सफल व्यवसायिक यात्रा के प्रकरण आयेंगे। ता० 1, 2, 3, 7, 8, 9 शुभकर के प्रतीत होंगे। भगवान विष्णु की उपासना कर अरिष्ट निवारण कर सकते हैं।

कर्कः— ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो



वाणी मे चिड़चिड़ेपन की समाविष्टि के कारण परिजनों का विरोध सहन करना पड़ सकता है आर्थिक लाभ सम्बन्धी क्रिया—कलापों से लाभान्वित रहेंगे। जीवन साथी का तीखा और बेरुखा व्यवहार मनः स्थिति को प्रभावित करेगा। अग्रज वर्ग से आशातीत सहयोग प्राप्त करने मे सफल रहेंगे। माह के दूसरे सप्ताह मे व्यापारिक कार्यों मे प्रगति पथ निर्धारित होंगे। किसी सांस्कृतिक, धार्मिक समारोह मे आपकी भागीदारी सामाजिक सुख्याति के मार्ग प्रसस्त करेगी। राज्याधिकारियों की दुलमुल नीतियों के कारण सरकारी कामकाज प्रभावित होंगे। ग्रहस्थ आश्रम सामान्य रहेगा। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11 उत्तम सूचक प्रतीत होंगी। **शिव—पार्वती की उपासना कर अरिष्ट कष्टों का निवारण कर सकते हैं।**

सिंहः— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे



माह के पहले सप्ताह मे स्वास्थ्य अति उत्तम रहेगा। खान पान व्यवस्था बेहतर प्रतीत होगी। पेय पदार्थों का अधिकाधिक सेवन होगा। भूमिक्रय विक्रय तथा प्रापर्टी सम्बन्धी कारोबार मे आपकी संलग्नता लाभ मार्ग की ओर अग्रसर कर सकती है अनायास राजनैतिक लाभ प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। राज्याधिकारियों के प्रति मानसिक असंतोष मन से बाहर आयेगा। मनोरंजक संसाधन जुटाने के प्रसास सार्थक सिद्ध होंगे। संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विरोधियों की सक्रियता पर अंकुश लगाये रखने मे सफल सिद्ध होंगे। धार्मिक मामलो मे उदासीनता का रुख रहेगा। ता0 5, 6, 7, 12, 13, 14 उत्तम कारक है। **सूर्य गायत्री मंत्र का विधि पूर्वक जयकर के अरिष्ट निवारण कर सकते हैं।**

कन्या:— टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो



व्यय भार अधिकतम सीमा रेखा पार कर सकता है अनियन्त्रिक भाषा शैली का प्रयोग पारिवारिक सदस्यों से तालमेल बिगाड़ देगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आपके पक्ष में आयेंगे। माह का दूसरा सप्ताह आपके सहयोगियों की तरफ से बेहतर प्रतीत होगा। अनायास एकत्रित यात्रा प्रसंगों की अधिकता शारीरिक एवं मानसिक तनाव की रूपरेखा निर्धारित करेंगे। व्यापारिक मामलों में अतिरिक्त पूंजी निवेश घातक सिद्ध हो सकता है। ग्रहस्थ जीवन के अनुभव मिश्रित परिणामदायक प्रतीत होंगे। मानसिक तनाव रहेगा। न्यायालय सम्बन्धी कार्यों में उन्नति होगी। ता० 3, 4, 5, 7, 8, 9 शुभकारक प्रतीत होगी। गाय को हरा चारा खिलाकर अरिष्ट कष्टों का निवारण कर सकते हैं।

तुला:— रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते



किसी गीत-संगीत समारोह में आपकी उपस्थिति प्रसंसा का कारण बन सकती है। रक्तचाप के कारण शारीरिक एवं मानसिक तनाव का आभाष प्रतीत होगा। आलस्य की प्रवृत्ति छोड़कर कर्मक्षेत्र में डटे रहकर बिगड़ते कार्यों का नयी दिशा दे सकते हैं। किसी गम्भीर अन्वेषण की दिशा में किये गये प्रयासों से सफलता प्राप्त होगी। माह का प्रथम सप्ताह आर्थिक मामलों में लाभदायक प्रतीत होगा। जीवनसंगिनी के साथ तीखी, मीठी, नॉक-झोंक के लिये पूरे माह मानसिक रूप से तैयार रहना हितकर होगा। खान-पान में अव्यवस्था भी प्रतीत होगी। माह का दूसरा सप्ताह, राजनैतिक मित्रों से जनसंपर्क बढ़ाने वाला होगा। ता० 1, 2, 3, 5, 6, 7 शुभ कारक सिद्ध हो सकती है। कन्या पूजन कर अरिष्ट कष्टों का निवारण कर सकते हैं।



वृश्चिकः— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

कुसंगति के कारण अतिरिक्त खर्च की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ कठिनाइयों के साथ किसी तरह तालमेल बने रहेंगे। विपक्षियों के साथ आपका सौम्य, शिष्ट, व्यवहार विरोधियों को प्रभावित करेगा। स्त्रीपक्ष का शासन प्रशासन सम्बन्धी कार्यों में बेहद सहयोग प्राप्त हो सकता है। माह का प्रथम सप्ताह आर्थिक लाभ की योजनाओं के लिये बेहतर सिद्ध होगा। जीवनसाथी की सहयोगी भावना के चलते ग्रहस्थ जीवन सामान्य सा चलता प्रतीत होगा। व्यवसायिक क्रियाकलापों में आंशिक लाभ की ओर अग्रसर रहेंगे। ईश्वर अराधना में आपकी संलग्नता बढ़ेगी। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 8, 9 बेहतर प्रतीत होगी। **अरिष्ट निवारण के लिये मंगलवार का व्रत रखना हितकर रहेगा।**



धनुः— ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ, भे

भूमि, मकान, वाहन सुख के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। किसी धार्मिक यात्रा में अनायास अवरोध आ सकता है। भोजन व्यवस्था का विस्तार होगा। माह का प्रथम सप्ताह वित्तीय कार्य योजनाओं के लिये अति उत्तम प्रतीत होगा। अनायास निर्णय लेने की प्रवृत्तियां आपके लिये मानसिक तनाव वृद्धि का कारण बन सकती हैं। पेट सम्बन्धी रोगों से शारीरिक कष्ट होगा। संतान पक्ष भी शीत विकार, ज्वर आदि के शिकार रहेंगे। ग्रहस्थ आश्रम के अनुभव सुखपूर्ण प्रतीत होंगे। यात्रायें लाभदायक परिणामदायक सिद्ध हो सकती हैं। कठोरतम भाषा-शैली का प्रयोग न करना ही आपके लिये हितकर होगा। ता० 1, 3, 4, 5, 6, 7, 10, 11 उत्तम कारक सिद्ध होगी। **अरिष्ट निवारण हेतु गुरुवार का विधिपूर्वक व्रत करना उत्तम रहेगा।**

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी



संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है किसी धार्मिक, वैवाहिक आयोजन में आपकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। पठन-पाठन कार्यक्रम सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति मानसिक असंतोष चरम सीमा रेखा पार कर सकता है। मनोरंजन के सिलसिले में यात्रा प्रकरण भी एकत्रित होंगे। खान-पान में मिष्ठान बेहद रुचिकर प्रतीत होगा। यात्रा के दौरान स्वयं की सुरक्षा के लिये बेहद सजग रहे। शुभ सूचक कार्यों में खर्च के अतिरिक्त श्रोत उत्पन्न होंगे। माह का दूसरा सप्ताह धन लाभ के दृष्टिकोण से बेहतर है। प्रापटी सम्बन्धी मामले परेशानी में डाल सकते हैं। तारीख 5, 6, 7, 8, 9 शुभ है। अरिष्ट निवारण हेतु विधिपूर्वक शनिवार का व्रत रखना हितकर प्रतीत होगा।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा



भोजन व्यवस्था में तरल पदार्थों का सेवन आप द्वारा बढ़ सकता है। माह के प्रथम सप्ताह में व्यापारिक मामलों में प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। आपकी आस्तिकता नास्तिकता पथ की ओर परिवर्तित हो सकती है। बन्धुओं, मित्रों आदि से सहयोग प्राप्त करने में सफल होंगे। किसी ना किसी कारणवश आपके अभिभावक आपके लिये चिन्तित रहेंगे। आय और व्यय में किसी तरह से सन्तुलन स्थापित रहेगा। मानसिक रूप से आप न्याय पक्ष के ही पक्षधर रहेंगे। माह का दूसरा सप्ताह कई बिगड़ते कार्यों को बनाने में सहायक सिद्ध होगा। तारीख 1, 2, 7, 8, 9 उत्तम है। अरिष्ट निवारण के लिये अन्ध विद्यालय और कुष्ठ आश्रम में दान करना हितकर होगा।



मीनः— दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

विरोधियों की सक्रियता पर अंकुश लगायें रखने में समर्थ रहेंगे। पारिवारिक सदस्यों से मनमुटाव की परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। उच्च शिक्षा सम्बन्धी कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। शासन—प्रशासन से जुड़ी हुयी गतिविधियां निर्णायक मोड़ पर पहुंच सकती हैं। किसी भी विषय पर आप दंडात्मक कार्यवाही के ही पक्षधर रहेंगे। आर्थिक आय के साथ—साथ अनचाहे खर्च के लिये भी मानसिक रूप से तैयार रहना हितकर होगा। माह का प्रथम सप्ताह व्यवसाय के दृष्टिकोण से उत्तम है। गृहिणी के साथ बेहतर तालमेल स्थापित रहेंगे। साझेदारी में किसी भी प्रकार का कार्य न करें। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11 शुभ है। **अरिष्ट निवारण के लिये केले की पूजा करना उत्तम प्रतीत होगा।**

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः—

1. अंगारकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 01 जनवरी, मंगलवार।
2. जोर मेला 03 दिनात्मक (पंजाब), 02 जनवरी, बुधवार।
3. चेहल्लुम, 03 जनवरी, बृहस्पतिवार।
4. अष्टका श्राद्ध, गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (नवीन मत) 05 जनवरी, शनिवार।
5. पौष दसमी, पार्श्व नाथ जयन्ती (जैन), 07 जनवरी, सोमवार।
6. सफला एएएएकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 08 जनवरी, मंगलवार।
7. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, सुरूप द्वादशी, आखिरी चहार सम्बा, 09 जनवरी, बुधवार।
8. स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, सहादते इमाम हसन, 11 जनवरी, शुक्रवार।
9. आरोग्य द्वितीया व्रतम्, लोहिड़ी (पंजाब), 13 जनवरी, रविवार।
10. मकर संक्रान्ति, खिचड़ी पर्व, 14 जनवरी, सोमवार।
11. अंगारिकी चतुर्थी, श्री गणेश चतुर्थी व्रतम्, 15 जनवरी, मंगलवार।
12. गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती प्राचीन मत, 18 जनवरी, शुक्रवार।
13. पुत्रदा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, मन्वादि एकादशी, 22 जनवरी, मंगलवार।
14. कुर्म द्वादशी, सर्वार्थ सिद्ध योग समस्त दिन, 23 जनवरी, बुधवार।

15. वारावफात, 25 जनवरी, शुक्रवार ।
16. व्रत की पूर्णिमा, भारतीय गणतन्त्र दिवस, 26 जनवरी, शनिवार ।
17. स्नान दान की पूर्णिमा, शाकम्भरी जयन्ती, 27 जनवरी, रविवार ।
18. श्री संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 30 जनवरी बुधवार ।
19. ईद मौलाद, 31 जनवरी, बृहस्पतिवार ।



पंडित आनंद अवस्थी

पं० आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली – डी-79, साउथ सिटी, लखनऊ, एम०बी० नं०- 9450460208

Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
pt.anand.awasthi@gmail.com